

## प्रेस विज्ञप्ति

### वेटरनरी विश्वविद्यालय द्वारा वेटरनरी स्नातकों के लिए निजी क्षेत्रों में रोजगार पर कार्यशाला का आयोजन



बीकानेर, 10 जून। वेटरनरी स्नातकों के लिए देश और दुनिया में रोजगार की विपुल संभावनाएं और बेहतरीन अवसर मौजूद हैं। प्रतिस्पर्धा के युग में विषय में पारंगत, मुखर व्यक्तित्व के धनी और संप्रेषण में कुशलता से ही खास मुकाम हासिल किया जा सकता है। वेटरनरी विश्वविद्यालय के प्लेसमेन्ट सैल द्वारा वेटरनरी स्नातकों के

लिए प्राइवेट सेक्टर में रोजगार के अवसर विषय पर बुधवार को आयोजित कार्यशाला में मार्स इण्डिया के श्वान पोषण एवं स्वास्थ्य के प्रबंधक डॉ. भुवेन्द्र बाबू ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। डॉ. भुवेन्द्र बाबू ने पशुपालन से जुड़े उद्योगों, कम्पनियों व फर्मों में पशु चिकित्सकों की आवश्यकता व प्राइवेट सेक्टर में इनकी महत्ता तथा श्वानों के पोषण की आवश्यकता पर व्याख्यान दिया। इस अवसर पर प्रेक्षागृह में विश्वविद्यालय के मुख्य प्लेसमेन्ट अधिकारी एवं महाविद्यालय अधिष्ठाता प्रो. बी.के. बेनीवाल ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा स्नातक छात्र/छात्राओं को रोजगार के लिए अवसर सुलभ करवाने के लिए आमंत्रित विशेषज्ञों की कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है। रोजगार संबंधी सूचनाओं को एस.एम. एस. सेवा के माध्यम से प्रसारित तथा निजी संस्थानों के कैम्पस साक्षात्कार भी आयोजित किये जाते हैं जिससे छात्रों को लाभ मिला है। कार्यशाला में बताया गया कि वेटरनरी स्नातकों के लिए राजकीय, निजी संस्थानों में रोजगार और स्वयं की प्रेक्टिस के लिए बहुत से अवसर मौजूद हैं। खाद्य सुरक्षा, पशु प्रोटीन-वसा, शुद्ध खाद्य मानकों के लिए औद्योगिक इकाइयों में पशु चिकित्सकों की मांग बढ़ती जा रही है। इसके अलावा पशुधन उत्पाद, मूल्य संवर्द्धन उत्पादों के उद्योग, शैक्षणिक और अनुसंधान के क्षेत्र में पशु स्नातकों के कार्य करने की अपार सम्भावनाएं मौजूद हैं। वेटरनरी स्नातकों के लिए अनेक क्षेत्रों में रोजगार उपलब्ध हैं। सरकारी और गैर सरकारी संस्थानों में रोजगार, स्वयं की प्रेक्टिस और सेवा उद्यम स्थापित करके भी रोजगार शुरू किया जा सकता है। वार्ता के प्रारंभ में मार्स इण्डिया के बिजनेस मैनेजर डॉ. अरविन्द कुमार ने अपने संस्थान की गतिविधियों की जानकारी दी। विश्वविद्यालय के प्लेसमेन्ट ऑफिसर प्रो. राजेश धूड़िया ने प्लेसमेन्ट सैल के कार्यों की जानकारी देते हुए सभी का आभार व्यक्त किया। इस कार्यशाला में चर्तुथ वर्ष, इन्टर्नशिप व स्नातकोत्तर विद्यार्थियों ने बड़ी संख्या में हिस्सा लेकर लाभ उठाया। कार्यक्रम का संचालन छात्र अमित विशेन ने किया।